पंचपरगनिया संज्ञा का परिचय

पंचपरगनिया संइगा केर चिनूहाप

संज्ञा की परिभाषा

जन सबूद' टाले कन' चिज चाहे जिनिस, जाएगा, भाअ एमाइनेक नाम केर ब'ध हएला अके संइगा कहल जाएला । एआनि संइगा असन बिकारी सबूद' के कहल जाएला जेटा कन' बिसेस जिब, जिनिस, भाअ आर कन' खास जाति चाहे जिब केर चिनूहाप कराएला ।

पंचपरगनिया भाषा के विद्वानों के अनुसार संज्ञा

पंचपरगनियाएँ संइगा केर भेद लेकहन बिदुआन एकमत नेखएँ, केउ दुइ त' केउ तिन त' केउ हिंदीक रकम पाँचटा कइ आहएँ ।

प्रो. परमानंद महतो जी के अनुसार पंचपरगनिया संज्ञा के भेद

प्रो. परमानंद महतो जि पंचपरगनियाएँ संइगा केर तिनटा भेद केर चरचा कइर आहएँ - **१. जातिबाचक** २. **बेकूतिबाचक** ३. **भाअ बाचक** । इमन समुह बाचक के जातिबाचक आर बेकूतिबाचक केर भितरेइ राइख आहएँ । आर दर'इब बाचक के जाति बाचक केर भितरे ।

डॉ. चन्द्र मोहन महतो जी के अनुसार पंचपरगनिया संज्ञा के भेद

हुंआँइ **डॉ. चन्द्र मोहन महतो** जि संइगा के दुइ भागे (धर'ने) बाँइट आहएँ - **१. जीबा** आर **२. अजीबा** ।

१. जीबा - जीबा माने जीबधारी । एआनि जीबा केर भितरे असन जीबधारी नाम गिला के राखल जाए आहे जेगिला चले पारे, कहे पारे आर सउब किछु करउ पारे, निमुद - पकामाकड़, चरइचुनगुनी, मानुस, बेटा, बेटी, नर, नारी, बाघ, सिआड़, छागेइर एमाइन ।

२. अजीबा - अजीबा माने जेकर जीउ नेखे । एआनि अजीबा नाम उ जिनिस केर नाम के कहल जाएला, जेगिला ना चले पारएँ, ना कहे पारएँ, आर ना किछु करे पारएँ । निमुद - बही, किताब,

onlineppg.com

कांथा, लुगा, ग'हम, एमाइन । (इमन केर अनुजाइ गाछ, पात, घांस एमाइन के अजीबा माहनेइ राखल जाए आहे)

डॉ. करम चंद्र अहीर जी के अनुसार पंचपरगनिया संज्ञा के भेद

हुंआँइ **डॉ. करम चंद्र अहीर** जी संइगा केर पाँच भेद कइर आहएँ जेगिला इ रकम आहे –

१. जातिबाचक संइगा – ज'न सब्द' लेक कन' जिनिस चाहे जीब केर जानकारी पाउआएला उटाके जातिबाचक संइगा कहल जाएला । जेसन – कुकुर, गउ (माँ), छुआ, गाछ, पाहाड़, नदि, मानुस (ल'ग) घर, पंड़की, च'रइ, भाइ, बहिन, गाइ, गरू, भालु, बिलाइ एमाइन ।

२. बेकृतिबाचक संइगा – ज'न सब्द' ले कन' एकटा (बिसेस) ल'ग, जिनिस, चाहे जाएगा एमाइन केर ब'ध हएला, उटाके बेकृतिबाचक संइगा कहल जाएला । जेसन – राम, गीता, राढु, कांची, राँची, कंच', सिबनाबाबा, ककर', माघ, फागुन, जितुआ, बुंडु, राहे, तमाड़ एमाइन ।

३. समुहबाचक संइगा – ज'न सब्द' लेक कन' जिनिसेक हुंड़ा (इकट्ठा), ल'ग केर भीड़, कुधा (एकत्रित), चाहे जामा हल केर पाछनान (जानकारी) मिलेला उटा के समुहबाचक संइगा कहल जाएला । जेसन – बाजार, भीड़, मेला, हाट, झंपा, माछेइर/साग/मरचि/पेआज/रसुन एमाइन केर खेजा, जुलुस, झुंड़, दल, बरग' सेना, मिटिंग एमाइन ।

४. दर'इब बाचक संइगा – दर'इब केर माने ह'एला कन' जिनिस । एआनि जन संइगा ले कन' चीज चाहे बसतु केर बारे चिन्हाप (पाछनान) मिलेला उटाके दर'इब बाचक संइगा कहल जाएला । जेसन – घिउ, दुध, स'ना, रूपा, नुन, मरची, ग'बर, सुइ, सुता, ड'ट (कलम), किताब, क'पी, सिल'इट, थ'इला, ल'टा, छिपि एमाइन ।

५. भाअबाचक संइगा – ज'न सब्द' ले कन' ल'ग चाहे जिनिस केर गुन केर पाछनान (जानकारी/चिन्हाप) मिलेला उटाके भाअ/**भाव** बाचक संइगा कहल जाएला । जेसन – पिआस, भुख, नींद, र'ग, निमन (सुइध), नाभान, उठान, अकबकी, दुलार, चिकन, चालाक, सुंदर, बुढ़ारी, फुरती, फुटानी, सेंखी, द'एआ, चेंका, तिता, गुरूआ, नुनछिआ, दुखान, जलन, जुआन, फेदान (सुसति), संगी, सतरू एमाइन ।

बिसेस काथा –

onlinepng.com

कुछ बिदुआन केर मत हेके कि संइगा केर **समुह बाचक** आर **दर'इब बाचक** केर अलग से भेद करेक दरकार नेखे । बासतब काथा एहे टाइ हेके कि इ दुइअ संइगा के जातिबाचक चाहे संइगाक अनुजाइ बेकृतिबाचक मेंहनेइ राखल जाना चाहि ।

onlineppg.com onlineppg.com